

## अंतरिक्ष आधारित नगरानी (SBS) मशिन

स्रोत: HT

हाल ही में [सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति \(CCS\)](#) ने [अंतरिक्ष आधारित नगरानी \(SBS\) मशिन](#) के तीसरे चरणको मंजूरी दे दी है।

- इससे नागरिक और सैन्य अनुप्रयोगों के लिये भूमि एवं समुद्री क्षेत्र में बेहतर जागरूकता लाने में मदद मिलेगी।
- इसमें नगरानी के लिये [पृथ्वी की नचिली कक्षा या लो अर्थ ऑर्बिट](#) और [भूस्थायी कक्षा या जियोस्टेशनरी ऑर्बिट](#) में कम-से-कम 52 उपग्रहों का प्रक्षेपण शामिल होगा।
  - 21 उपग्रह [इसरो](#) द्वारा तथा शेष 31 नजीकै कंपनियों द्वारा निर्मित किये जायेंगे।
- SBS मशिन का संचालन [राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय](#) और रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा किया जा रहा है।
  - तीनों सशस्त्र बलों के पास भूमि, समुद्र या वायु आधारित मशिनों के लिये समर्पित उपग्रह होंगे।
- SBS के पहले चरण की शुरुआत वर्ष 2001 में की गई थी, जिसमें चार उपग्रहों जैसे [रिसैट 2 \(Risat 2\)](#) का प्रक्षेपण शामिल था, जबकि SBS 2 को वर्ष 2013 में छह उपग्रहों जैसे [रिसैट 2A](#) के प्रक्षेपण के साथ शुरू किया गया था।
- SBS 3 मशिन को भारत द्वारा अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन प्राप्त करने, फ्रांस के साथ सैन्य उपग्रहों के संयुक्त निर्माण तथा [उपग्रह रोधी मसिाइल](#) क्षमताओं से समर्थन प्राप्त होगा।
- भारत का लक्ष्य हृदि-प्रशांत क्षेत्र में शत्रु की पनडुबियों का पता लगाने तथा अपनी भूमि समुद्री सीमाओं पर शत्रु द्वारा किये जा रहे बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर नज़र रखने की क्षमता हासिल करना है।

और पढ़ें: [उपग्रह-आधारित संचार](#)